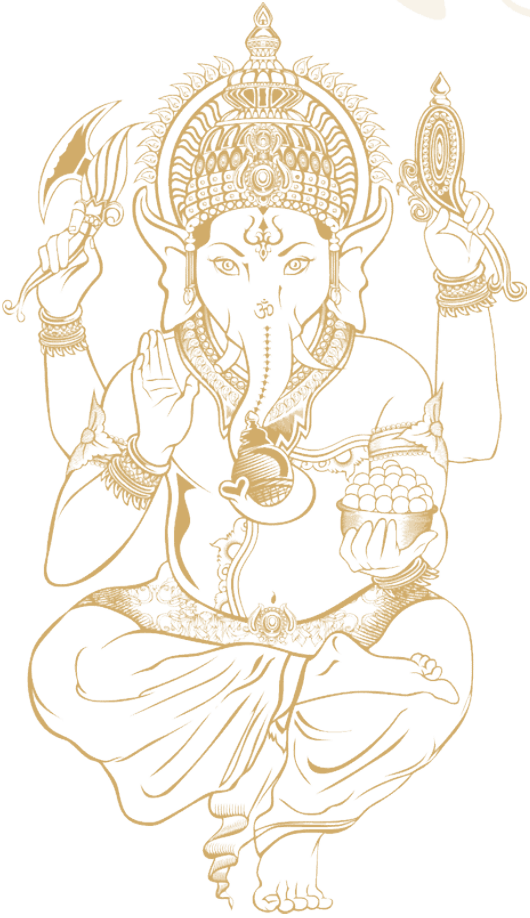

Mr. Sanskar

Ms. Trapti

Model: Love-Horoscope

Order No: 120619501

Model: Love-Horoscope

Order No: 120619501 Date: 19/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/05/2005	जन्म तिथि	31/10/2008
शुक्र-शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 02:45:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 52:33:14	जन्म समय(घटी)	04:05:50 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Dhar
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	22:32:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:42	सूर्योदय	06:32:38
19:03:27	सूर्यास्त	17:51:19
23:55:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:00
मीन	लग्न	वृश्चिक
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कन्या	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
चित्रा	नक्षत्र	अनुराधा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	2
व्यतिपात	योग	सौभाग्य
बालव	करण	कौलव
पो-पौरुष	जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
व्याघ्र	योनि	मृग
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	सर्प

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 6मा 23दि	
राहु	
13/12/2009	
13/12/2027	
राहु	25/08/2012
गुरु	19/01/2015
शनि	25/11/2017
बुध	13/06/2020
केतु	02/07/2021
शुक्र	01/07/2024
सूर्य	26/05/2025
चन्द्र	25/11/2026
मंगल	13/12/2027

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
10:21:26	मीन	लग्न	वृश्चि	04:47:34
06:00:29	वृष	सूर्य	तुला	14:03:54
27:58:19	कन्या	चंद्र	वृश्चि	08:00:40
20:20:00	कुंभ	मंगल	तुला	24:31:47
20:52:35	मेष	बुध	कन्या	28:47:41
15:21:25	कन्या व	गुरु	धनु	22:43:29
19:13:34	वृष	शुक्र	वृश्चि	20:56:45
29:29:54	मिथु	शनि	सिंह	24:33:35
28:24:17	मीन	राहु व	मक	20:25:35
28:24:17	कन्या	केतु व	कर्क	20:25:35
16:34:47	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	25:04:03
23:40:23	मक व	नेप व	मक	27:29:10
29:51:50	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	05:12:17

विंशोत्तरी	
शनि 12वर्ष 4मा 0दि	
बुध	
02/03/2021	
02/03/2038	
बुध	30/07/2023
केतु	26/07/2024
शुक्र	27/05/2027
सूर्य	01/04/2028
चन्द्र	31/08/2029
मंगल	29/08/2030
राहु	17/03/2033
गुरु	23/06/2035
शनि	02/03/2038

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:55:49 चित्रपक्षीय अयनांश 23:59:00

लग्न-चलित

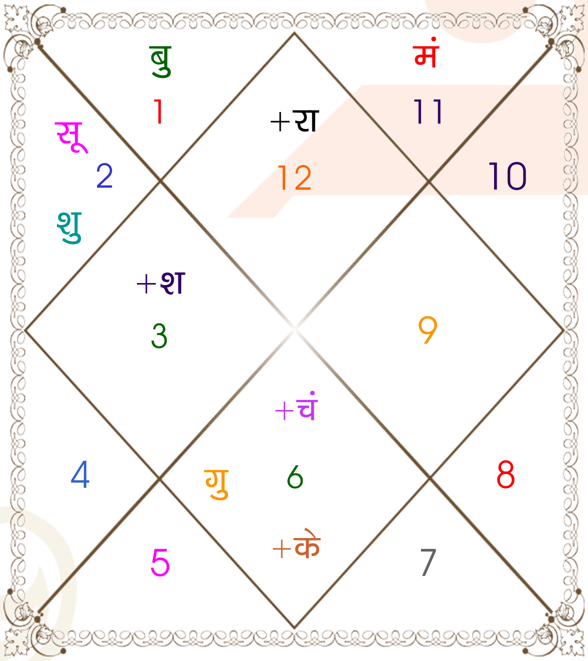

लग्न-चलित

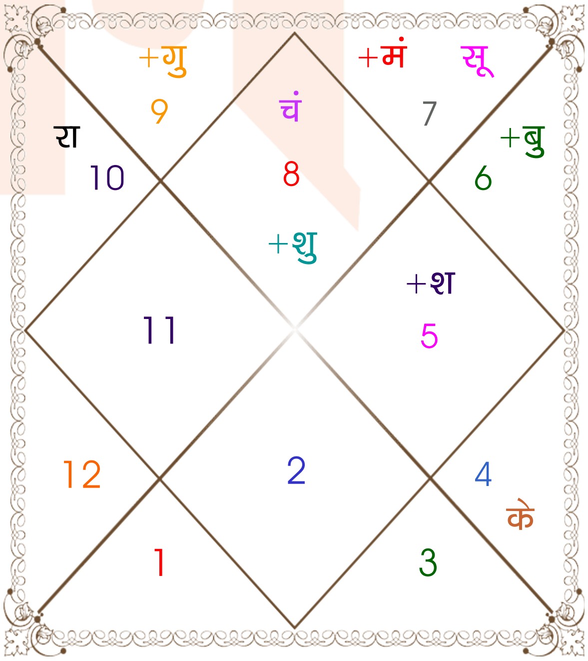

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र

बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश

+919340201506,7024210124

कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

कुल : **12 / 36**

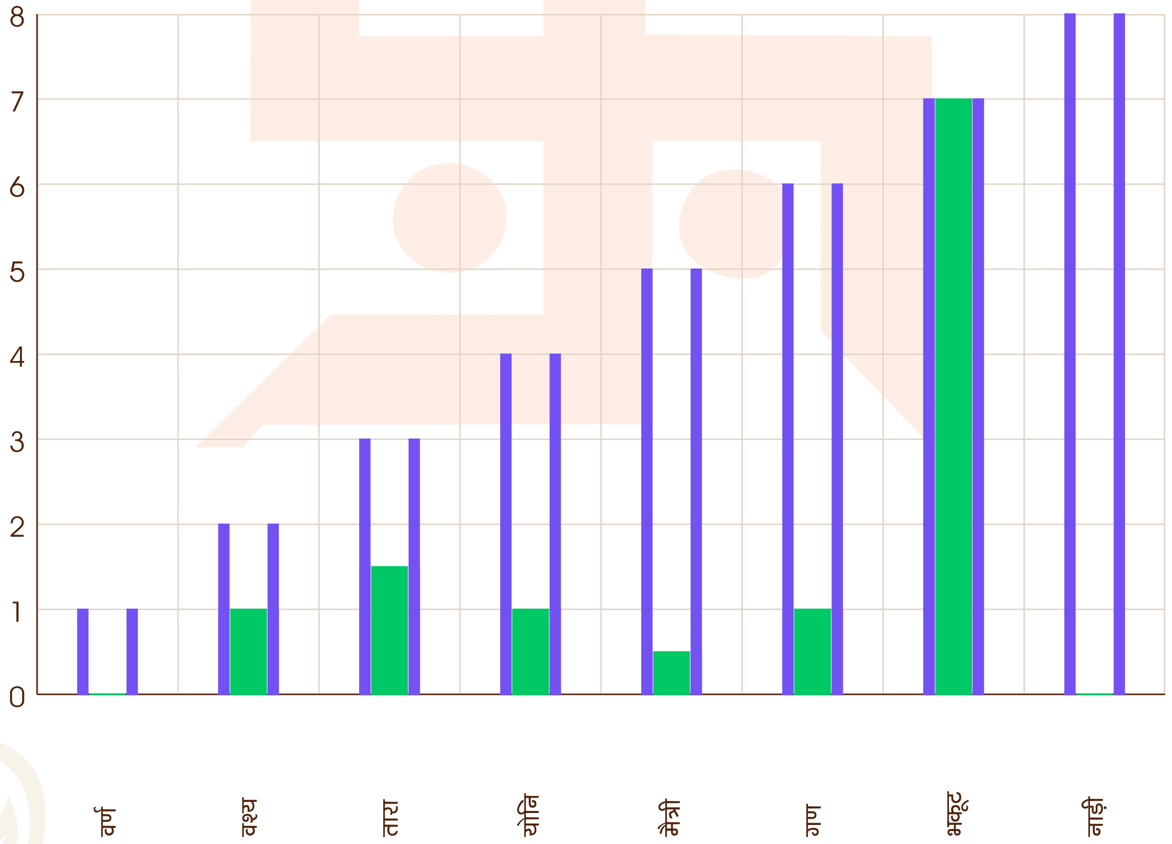

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

डतणँदोंत का वर्ग मूषक है तथा डेण ज्तंचजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणँदोंत और डेण ज्तंचजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणँदोंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

डेण ज्तंचजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण ज्तंचजप कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण ज्तंचजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणँदोंत तथा डेण ज्तंचजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतणँदेंत का वर्ण वैश्य है तथा डेण ज्तंचजप का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि डेण ज्तंचजप का वर्ण डतणँदेंत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। डेण ज्तंचजप अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। डेण ज्तंचजप को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

डतणँदेंत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण ज्तंचजप का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप डतणँदेंत एवं डेण ज्तंचजप दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

डतणँदेंत की तारा वध तथा डेण ज्तंचजप की तारा क्षेम है। डतणँदेंत   की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतणँदेंत   बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। डतणँदेंत   को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु डेण ज्तंचजप लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

डतणँदेंत की योनि व्याघ्र है तथा डेण ज्तंचजप की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने

श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश
+919340201506,7024210124
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्ैदांत का राशि स्वामी डेण् ज्तंचजप के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि डेण् ज्तंचजप का राशि स्वामी डतण्ैदांत के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण्ैदांत का गण राक्षस तथा डेण् ज्तंचजप का गण देव है। अर्थात डेण् ज्तंचजप का गण डतण्ैदांत के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण डतण्ैदांत निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही डतण्ैदांत का डेण् ज्तंचजप के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। डेण् ज्तंचजप हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

डतण्ैदांत से डेण् ज्तंचजप की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा डेण् ज्तंचजप से डतण्ैदांत की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्ैदांत अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर डेण् ज्तंचजप सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

डतण्ैदांत की नाड़ी मध्य है तथा डेण् ज्तंचजप की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में डतण्ैदांत एवं डेण् ज्तंचजप का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण ँदोंत की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा डेण ज्तंचजप की राशि जल तत्व युक्त वृश्चिक राशि है। पृथ्वी एवं जल तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण डतण ँदोंत और डेण ज्तंचजप के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता रहेगी। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

डतण ँदोंत की राशि का स्वामी बुध तथा डेण ज्तंचजप की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं होती। इसके प्रभाव से डतण ँदोंत और डेण ज्तंचजप के परस्पर संबधों में तनाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबधों में कटुता एवं मतभेद रहेंगे। अतः यदि ये एक दूसरे की आलोचना करने या कमियों को गिनना छोड़ दें तो जीवन में सुख के क्षणों की प्राप्ति हो सकती है।

डतण ँदोंत एवं डेण ज्तंचजप की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनका एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव रहेगा तथा समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे आपसी संबधों में मधुरता रहेगी। अतः वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही डतण ँदोंत और डेण ज्तंचजप की आर्थिक स्थिति में भी सुदृढ़ता रहेगी तथा जीवन में आवश्यक सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

डतण ँदोंत का वश्य मानव तथा डेण ज्तंचजप का वश्य कीट है मानव एवं कीट के मध्य नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी एवं शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी अंतर रहेगा। अतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतण ँदोंत का वर्ण वैश्य एवं डेण ज्तंचजप का वर्ण ब्राह्मण है। अतः डतण ँदोंत की प्रवृति धनार्जन में प्रवृत रहेगी तथा वणिक बुद्धि से अपने समस्त कार्यो को सम्पन्न करेंगी लेकिन डेण ज्तंचजप शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यो में रूचिशील रहेंगी फलतः कार्य क्षमताओं में असमानता का भाव यदा कदा दृष्टि गोचर होगा।

धन

डतण ँदोंत और डेण ज्तंचजप की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। डतण ँदोंत और डेण ज्तंचजप की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

डेण ज्तंचजप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्ँदोंत और डेण ज्तंचजप एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से डतण्ँदोंत और डेण ज्तंचजप असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्ँदोंत और डेण ज्तंचजप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्ँदोंत और डेण ज्तंचजप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण ज्तंचजप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण ज्तंचजप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण ज्तंचजप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्ँदोंत और डेण ज्तंचजप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्ँदोंत और डेण ज्तंचजप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण् ज्तंचजप के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी डेण् ज्तंचजप को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः डेण् ज्तंचजप को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ डेण् ज्तंचजप के संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से डेण् ज्तंचजप सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

डतण् ैदांत की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण् ैदांत सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण् ैदांत ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण् ैदांत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

लग्न फल

Mr. Sanskar

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा

खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।

Ms. Trapti

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के प्रथम चरण मे वृश्चिक लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्र प्रभावानुसार यह सुनिश्चित संभावना है कि आप वैदेशिक यात्रा पर जाएंगी और वहीं अपना निवास बनाकर सुनिश्चित हो जाएंगी।

आप धनी, समृद्ध एवं तीव्र बुद्धि की स्वस्थ प्राणी होंगी। स्वाभाविक रूप से आप भ्रमण प्रिय होंगी तथा आप नये-नये स्थानों का परिदर्शन अर्थात् परिभ्रमण करने में समर्थ होंगी। आप में अनेकोनेक गुण विद्यमान हैं जो आपके यथेष्ठ धनोपार्जन में सहायक होगा। आप व्यक्तिगत रूप से अत्यंत ही दृढ़ निश्चयी हैं। आप अपने उद्देश्य से लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम करेंगी। आप अपने खेल के पत्ते को उसके लिए बंद कर देती हैं, जिनके संबंध में आपका हृदय स्वीकार नहीं करता। यदि अन्य व्यक्ति आपको सुनिश्चित कार्य-व्यवसाय हेतु प्रेरित करता है तो आप निश्चित समय पर निश्चित रीति से कार्य संपादन कर लेती हैं। आपकी भावनाओं अर्थात् बातों को समझ कर ठीक तरीके से कार्यान्वयन कर लेना किसी के लिए भी यह दुरुह कार्य है। आप निःसंदेह अत्यंत मधुर भाव से अपनी भावना के प्रतिकूल आचरण करने लगती हैं ; लेकिन सभी लोग यह जानते हैं कि आप जो मुंह से उच्चारण करते हैं, वह सत्य नहीं है। स्पष्टतः आपकी उपस्थिति आपसे संबंधित बातों के लिए भ्रामक प्रमाणित होता है। आपकी

आलस्यपूर्ण रवैया के प्रति आप ध्यान नहीं देती। यह उद्देश्य आपसे संबंधित कार्य संपादन हेतु अनैतिक कार्य है। आप किसी भी अवसर पर कोई भी अपेक्षित कार्यकाल अपनी अति प्रतिशोधात्मक मुद्रा अपना लेते हैं। इसलिए आप से संबंधित आपका कार्य बिना किसी भी बाधा के धीरे-धीरे संपादित हो जाता है।

आपकी ऐसी प्रवृति है कि आप स्वयं अपनी आस्था के अनुसार किसी भी विषय की गंभीरता पूर्वक जांच पड़ताल कर लेती हैं, क्योंकि आप परिपक्व बुद्धि की प्राणी है। आप अपने हित के लिए किसी भी यथार्थ कार्य हेतु संबंधित कठिन निर्णय लेकर अपने कार्य को सुगमतापूर्वक कार्य रूप देती हैं। आप स्वतंत्र निष्पक्ष एवं निर्भीक प्राणी हैं। आप अपने कार्य उद्देश्य को लक्ष्य तक पहुंचाने में अपनी नीति के साथ किसी भी प्रकार की बुराई के प्रति सतर्कता पूर्ण रवैया अपनाकर चाहे जो कुछ भी व्यवधान हो। उसे स्पष्ट कर लेती हैं। आप स्वाभाविक रूप से आर्थिक सहयोग प्रदान कर प्रचूर मात्रा में आपको धनवान बनने का सौभाग्य प्रदान करता है।

आप धन संचय द्वारा समय-समय पर अपनी प्रवृति को मोड़कर उदरतापूर्वक अपने संबंधी एवं मित्रों को बहुतायत में अर्थात् पर्याप्त मात्रा में आर्थिक अनुदान देती हैं जो आपको उनके मध्य प्रसिद्ध बनाता है।

आप अपनी विश्वसनीयता एवं सुयोग्य पति के साथ अपना प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन को शान्तिपूर्वक बिताएंगी। आपके लिए आदर्श जीवन संगी हेतु उपयुक्त एवं दर्शनीय व्यक्ति वह है जिसका जनम राशि बृश्चिक, कर्क, मीन, कन्या, मकर अथवा बृष राशि हो। आप अति उत्तम संतान के साथ सौभाग्यशाली जीवन यापन करेंगी।

आपका व्यक्तित्व बहुत उत्तम है। आप औसतन लंबाई से युक्त पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। यदि आप किसी भी प्रकार का जोखिमपूर्ण कार्य किया तो कुछ वर्षों के पश्चात् आप प्रजनन दौर्व्यल्यता, इंद्रिय रोग एवं अनिंद्रा रोग से युक्त एवं आक्रांत हो जाएंगी। अतः आप इस प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्कता पूर्वक कदम उठाएं। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य रक्षा हेतु उत्तम एवं सहायक होगी।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आप अंको में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक को अपने हित में सम्मिलित कर सकते हैं, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहरणीय है।

रंगों में रंग नीला, सफेद एवं हरा रंग अनुपयुक्त है जबकि रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग आपके हित अनुकूल है।

अंक ज्योतिष फल

Mr. Sanskar

आपका जन्म दिनांक 21 हैं। दो एवं एक के योग से आपका मूलांक 3 होता है। मूलांक तीन का अधिपति गुरु ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा एक का सूर्य है। अतः आपके जीवन में गुरु, चन्द्र तथा सूर्य ग्रह का शुभ-अशुभ प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी गुरु के प्रभाव से आप एक विद्वान व्यक्ति कहलायेंगे। विद्या के क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी। धर्म-कर्म के कार्यो में रुचि रखेंगे। अधिक आयु पर आप आध्यात्म के क्षेत्र में चले जायेंगे। आप एक अनुशासन प्रिय व्यक्ति रहेंगे एवं अपने अधीनस्थों से अपेक्षा रखेंगे कि वह भी अनुशासन में रहें । आप काम में शिथिलता या देरी पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपके मातहत आपके विरोधी होंगे।

सूर्य के प्रभाव से आप एक दृढ़ प्रतिज्ञ व्यक्ति होंगे। स्वभाव में हठीपन भी रहेगा एवं आप अपने कार्यक्षेत्र में सूर्य के समान ही चमकेंगे। लेकिन चन्द्र प्रभाव से कभी कभी अंधेरे का सामना करना पड़ेगा। इससे आपके मन में निराशा के भाव आयेंगे। आपका जीवन सन्तुलित रहेगा एवं ऐसे कार्यों में आपका मन लगेगा जहाँ कार्य ईमानदारी से होता हो। आप स्वयं अपनी मेहनत तथा सच्चाई पर भरोसा करेंगे और इसी के सहारे सफलताएं अर्जित करेंगे।

आपकी ऐसे कार्यों में रुचि रहेगी जहाँ बुद्धिजन्य कार्य होता हो। लेखन, पठन-पाठन, भाषण, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में कार्य करने पर आपको अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। सूर्य, चन्द्र, गुरु के संयुक्त प्रभाव से आप अपने जीवन में उच्चता को अवश्य प्राप्त करेंगे एवं आपकी अन्तिम अवस्था काफी खुशमय रहेगी।

Ms. Trapti

आपका जन्म दिनांक 31 होने से तीन एवं एक के योग से आपका मूलांक चार होता है। इसका अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मतानुसार हर्षल ग्रह को माना गया है। अंक तीन का स्वामी बृहस्पति तथा अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है।

मूलांक चार के प्रभाव से आप अचानक एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपको वही कार्य अच्छे लगेंगे, जिनके द्वारा शीघ्रता से ऊँचाईयाँ प्राप्त की जा सके। ऐसा ही कार्यक्षेत्र आपके लिये अनुकूल रहेगा, जिनमें कम समय में अधिक लाभ कमाया जा सके। आपकी विचारधारा थोड़ी आधुनिक रहेगी एवं पुरानी रीतियों, मान्यताओं की आप हिमायती नहीं होंगी। उनमें परिवर्तन की इच्छा रखेंगी। इससे आपको विरोधियों का सामना करना पड़ेगा।

धन संग्रह आप अधिक नहीं कर पायेंगी। किन्तु आपको समाज में नाम, यश, पद-प्रतिष्ठा अच्छी प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में आप आमूल-चूल परिवर्तन की हामी होंगी। लेकिन परिस्थितियाँ हर समय आपका साथ दें यह संभव नहीं है। कभी आपकी बात मानी जायेगी कभी नकार दी जायेगी। आप अपनी सफलता का मार्ग स्वयं संघर्ष करते हुए बनायेंगी। अतः संघर्ष करना आपकी आदत में आ जायेगा। जिससे एकाध घटनाएं ऐसी घटेंगी जो आपका

मार्ग बदल देंगी या स्थायी प्रभाव छोड़ जायेंगी।

अंक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव से आप में बौद्धिक स्तर उच्चकोटि का रहेगा। आपके कई निर्णय चमत्कारिक होंगे। जिनसे आपको ख्याति मिलेगी। एक अंक के स्वामी सूर्य के प्रभाववश आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी और समाज में नाम तथा यश प्राप्त होगा।

Mr. Sanskar

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

Ms. Trapti

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।